

DWSM-01

December – Examination 2020

Diploma in Watershed Management Examination

जल ग्रहण विकास-सिद्धान्त एवं रणनीति

(जल स्रोत प्रबंध में डिप्लोमा)

Paper : DWSM-01

Time : 2 Hours]

[Maximum Marks : 100

Note :- The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section-A

10×2=20

(Very Short Answer Type Questions)

Note :- Answer all questions. As per the nature of the question you delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ कीजिए :
 - (i) अवनालिका अपरदन
 - (ii) निरपेक्ष सूखा
 - (iii) अम्लीय मृदा
 - (iv) उपभोक्ता समूह
 - (v) मरु विकास कार्यक्रम
 - (vi) बंजर भूमि
 - (vii) जलग्रहण कमेटी
 - (viii) जलग्रहण क्षेत्र में जन चेतना हेतु दौ नारे
 - (ix) सतत् विकास के लाभ
 - (x) आण्विक दुर्घटना

Section-B

4×20=80

(Short Answer Type Questions)

Note :- Answer any four questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 20 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. जल द्वारा मृदा अपरदन पर टिप्पणी कीजिए।
3. कृषि विकास के पर्यावरणीय प्रभाव बताइए।
4. मानव निर्मित पारिस्थितिकी तंत्र का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
5. जलग्रहण विकास में जनभागीदारी की क्या आवश्यकता है ?
6. आस्था मूलक कार्य का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
7. जलग्रहण विकास में महिलाओं का योगदान बताइए।
8. सूखा सम्भावित क्षेत्र कार्यक्रम पर टिप्पणी कीजिए।
9. राजस्थान में भूजल की क्या स्थिति है ?